शाहजहांपुर में हवाई पट्टी और औद्योगिक गलियारा भी

अंबुज मिश्र, जागरण

- सर्विस लेन से घटी एक से दूसरे गांव की दूरी, रास्ते में विश्राम गृह व अन्य सुविधा भी
- 120 किलोमीटर प्रतिघंटा से अधिक गति में वाहन दौड़ाने पर कट जाएगा चालान

शाहजहांपुर के जलालाबाद में तैयार विश्राम गृह और पीरू गांव में तैयार हवाई पट्टी ● जागरण

शाहजहांपुर : मेरठ से प्रयागराज तक छह लेन के 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के लिए इंतजार की घड़ियां समाप्त होने वाली हैं। मेरठ के बाद अगर आप प्रयागराज के लिए आगे बढ़ेंगे तो हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल के बाद बंदायू में 92 किलोमीटर और शाहजहांपुर में इस एक्सप्रेसवे का 44 किलोमीटर पार करना होगा। रास्ते में शाहजहांपुर के हिस्से में इंटरचेंज के दूसरी ओर विश्राम गृह बनाया गया है। यहां होटल, रेस्त्रां व अस्पताल की सुविधा मिलेगी। वाहनों का सर्विस सेंटर, पेट्रोल पंप भी बनाया जा रहा है। शाहजहांपुर के जलालाबाद के पीरू गांव में एक्सप्रेसवे पर हवाई पट्टी बनी है। गंगा एक्सप्रेसवे पर एकमात्र यही हवाई पट्टी बनी है, जो हरदोई रूट पर जलालाबाद इंटरचेंज से सात किलोमीटर दूर है।

गंगा एक्सप्रेसवे

शाहजहांपुर में जलालाबाद के कलक्टरगंज पहुंचेंगे तो एक किलोमीटर पहले ही एक्सप्रेसवे नजर आना शुरू हो जाएगा। इंटरचेंज पर चढ़ते ही कुछ दूरी पर टोल प्लाजा मिलेगा। इसे बना रही राजस्थान की लाजिक मो एंड टोलवे एक्सपर्ट कंपनी के राजेश चौहान बताते हैं कि हाई सेंसर, वाहन के फास्टटैग को 50 मीटर दूर से स्कैन कर लेंगे। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के प्रशासनिक अधिकारी अमन तिवारी के अनुसार आप सुहाने सफर का आनंद तो ले सकेंगे मगर वाहन की स्पीड 120 किलोमीटर से अधिक हुई तो प्रत्येक किलोमीटर पर लगा कैमरा चालान कर देगा।

जलालाबाद इंटरचेंज से दो किलोमीटर आगे बढ़ने पर औद्योगिक गलियारा बनाया गया है। इसके लिए गुलड़िया दुमकापुर, नगरिया आदि गांवों के 800 ग्रामीणों से भूअधिग्रहण कर औद्योगिक इकाई निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। अभी तो यहां खेत में फसल दिख रही है पर अप्रैल से इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि औद्योगिक इकाइयां आने से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हो सकेगा। इसके साथ ही, शाहजहांपुर जिले से गुजर रहे 44 किलोमीटर के गंगा एक्सप्रेसवे के समानांतर सर्विस लेन तैयार की गई है, जिससे ग्रामीणों को एक से दूसरे गांव या कस्बा जाने के लिए नई सड़क मिल गई। नगरा के ग्रामीण बताते हैं कि हरदोई रूट के बुधवाना कस्बा जाने के लिए 18 किलोमीटर का फेरा पड़ता था, जो सर्विस लेन से अब सिर्फ 12 किलोमीटर दूर होगा। यही लाभ नगरा, कन्नापुर आदि गांवों के लोगों को मिलेगा। इसी तरह, बदायूं के दातागंज के लिए सर्विस लेन से जाएंगे तो अब 45 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी, पुरानी सड़क से यह दूरी पहले 75 किलोमीटर थी। इस रूट के रियोरा, इतवारा, झरार आदि दर्जनों गांव सर्विस लेन के जरिये एक-दूसरे से सीधे कनेक्ट हो चुके हैं। हरदोई के बाद उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ के रास्ते संगम नगरी का सफर पूरा हो सकेगा। एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 80 किलोमीटर तय है।

पांच किलोमीटर लंबी है हवाई पट्टी : पीरू गांव के पास हवाई पट्टी बनाई गई है। इस पट्टी पर बरेली त्रिशूल एयरबेस के 21 युद्धक विमान दिन और रात में सफलतापूर्वक उतारे जा चुके हैं। इस पट्टी की लंबाई पांच किलोमीटर है। इस पर पांच हेलीपैड भी बनाए गए हैं। मई 2025 में सफल ट्रायल के बाद यह हवाई पट्टी वायुसेना की देखरेख में दी जा चुकी है।